भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 4744

20 मार्च, 2026 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

सिद्ध चिकित्सक

4744. डॉ. गुम्मा तनुजा रानी:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि भारत में सिद्ध चिकित्सकों की संख्या कितनी है और इस चिकित्सा पद्धति को सफलतापूर्वक पढ़ाने वाले कितने सिद्ध चिकित्सक हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) सरकार द्वारा युवाओं में सिद्ध चिकित्सा का अभ्यास करने की क्षमता विकसित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं; और

(घ) इस पारंपरिक चिकित्सा पद्धति के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए बजटीय आवंटन का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) और (ख): सभी सिद्ध चिकित्सकों के लिए संबंधित राज्य/संघ राज्य बोर्डों/परिषदों और भारतीय चिकित्सा पद्धति के लिए नैतिकता और पंजीकरण बोर्ड (बीईआरआईएसएम) द्वारा बनाए गए राज्य रजिस्टर और राष्ट्रीय रजिस्टर में क्रमशः पंजीकृत होना आवश्यक है। एनसीआईएसएम द्वारा बनाए गए राष्ट्रीय रजिस्टर में कुल 8570 सिद्ध चिकित्सक पंजीकृत हैं| एनसीआईएसएम (स्नातकपूर्व सिद्ध शिक्षा के लिए न्यूनतम आवश्यक मानक) विनियम, 2022 संकाय नियुक्तियों के लिए अनिवार्य विशिष्ट योग्यताएं (प्रासंगिक सिद्ध विशिष्टताओं में स्नातकोत्तर) और अनुभव निर्धारित करता है। वर्तमान में 17 स्वीकृत सिद्ध मेडिकल कॉलेज स्नातक (बी.एस.एम.एस.) और स्नातकोत्तर (एम.डी. सिद्ध) शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। भारत में सिद्ध शिक्षा की गुणवत्ता बनाए रखने और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए एनसीआईएसएम ऑनलाइन टीचर मैनेजमेंट सिस्टम (ओटीएमएस) के माध्यम से संकाय डेटा की निगरानी और विनियमन जारी रखता है। वर्तमान में, ओटीएमएस पर नामांकित सिद्ध संकायों की संख्या 924 है।

(ग): भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग (एनसीआईएसएम) अपने विनियमों के माध्यम से सभी सिद्ध संस्थानों को पूरी तरह से क्रियाशील संबद्ध शिक्षण अस्पताल रखने का अधिदेश देता है ताकि छात्रों को पर्याप्त नैदानिक प्रशिक्षण प्रदान किया जा सके और इस प्रकार सिद्ध चिकित्सा पद्धति का अभ्यास करने की क्षमता विकसित की जा सके। साथ ही, आयुष मंत्रालय केंद्रीय सिद्ध अनुसंधान परिषद (सीसीआरएस) के माध्यम से सिद्ध सिद्धांतों, नैदानिक प्रथाओं, अनुसंधान पद्धति संबंधी अनुभव को सुविधाजनक बनाने के लिए विभिन्न शैक्षणिक, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रमों का आयोजन करता है, जिससे युवा चिकित्सकों को सिद्ध अभ्यास में सक्रिय रूप से शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

(घ): आयुष मंत्रालय निवारक स्वास्थ्य देखभाल में सिद्ध सहित आयुष पद्धतियों के बारे में जागरूकता पैदा करने, उसे अपनाने और एकीकरण को बढ़ावा देने के लिए सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) योजना का कार्यान्वयन करता है। आईईसी योजना के तहत, सिद्ध चिकित्सा पद्धति के लिए कोई अलग बजटीय आवंटन नहीं है, हालांकि मंत्रालय ने जनता तक पहुंच बढ़ाने के लिए 93,71,615 रुपये के बजट के साथ चेन्नई में सिद्ध दिवस 2024 का सफलतापूर्वक आयोजन किया। राष्ट्रीय स्तर पर आरोग्य मेलों का भी आयोजन किया जाता है, जिसमें राष्ट्रीय सिद्ध संस्थान और केंद्रीय सिद्ध अनुसंधान परिषद जैसे संस्थानों की भागीदारी होती है, जो नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच, औषधियाँ और सिद्ध चिकित्सा पर जानकारी प्रदान करते हैं। इसके अलावा, केंद्रीय सिद्ध अनुसंधान परिषद (सीसीआरएस) ने पिछले वित्तीय वर्ष 2025-26 में सिद्ध चिकित्सा पद्धति के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 1.35 करोड़ रुपये की राशि का व्यय किया है। इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय सिद्ध संस्थान (एनआईएस) सामान्य शीर्ष के तहत उन्हें आवंटित सहायता अनुदान से जागरूकता गतिविधियों का संचालन करता है।

*****